पीयू शताब्दी वर्ष समारोह को लेकर 'विकासशील देशों में भूजल गुणवत्ता प्रबंधन' पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में पीएचईडी मंत्री हुए शामिल

2019 तक सूबे के हर घर को मिलेगा फ्लोराइड-आर्सेनिक

जागरण संवाददाता, पटना : यूनीसेफ की रिपोर्ट के अनुसार सूबे में सभी को शुद्ध पेयजल और स्वच्छ वातावरण मिले तो हर परिवार वर्ष में 50 हजार रुपये की बचत करेगा। वर्तमान में यह राशि इलाज में खर्च हो रही है। यह राशि परिवार के विकास में खर्च हो, इसके लिए राज्य सरकार 2019 तक हर घर को मानक के अनुसार फ्लोराइड, आर्सेनिक तथा आयरन मुक्त पेयजल नल के माध्यम से उपलब्ध कराएगी। उक्त बातें सोमवार को पीएचईडी मंत्री विनोद नारायण झा ने पटना विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष समारोह को लेकर आयोजित अंतराष्ट्रीय सेमिनार में कही। उन्होंने देश-विदेश से पहुंचे नामचीन भूगर्भ शास्त्र के विशेषज्ञों को बताया कि यूनीसेफ की रिपोर्ट के अनुसार शुद्ध पेयजल और वातावरण लोगों को उपलब्ध करा देने पर देश की जीडीपी में दो से तीन फीसद तक की बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि फ्लोराइड से 11 जिलों के 4510 वार्ड, आर्सेनिक से 13 जिलों के 2038 वार्ड तथा आयरन से नौ जिलों के 20,719 वार्ड प्रभावित हैं। इन सबों के अतिरिक्त किसी एजेंसी द्वारा अन्य प्रभावित क्षेत्रों की जानकारी दी जाती है तो राज्य सरकार वहां के पानी की जांच कराकर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएगी। फ्लोराइड और आर्सेनिक प्रभावित वार्डों में काम शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना 'सात निश्चय' में हर घर नल से पानी शामिल किया गया है। अस्पतालों के दो-तिहाई बेड जलजनित रोगों के कारण भरे रहते हैं। दूषित पेयजल को लेकर 124 देशों की सूची में भारत 121वें स्थान पर है। प्रोवीसी डॉली सिन्हा ने कहा कि 80 फीसद बीमारी जलजनित हो रहा है। प्रो. बीके सिन्हा ने कहा कि हर साल विश्व में चार करोड़ बच्चे दूषित जल के कारण डायरिया की चपेट में आकर मृत्यु को प्राप्त करते हैं। शुरुआती सेशन को डॉ. दीपंकर चक्रवर्ती ने संबोधित किया। ईरान की प्रो. तिजेरी तहेरी मंगलवार को पेपर पेश करेंगी। उत्तरी अमेरिका से आए एनआरआइ धनंजय कुमार ने भूजल की अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर प्रकाश डाला। डीएसटी के सलाहकार अरविंद मित्रा ने भूजल स्तर को बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी।

भूगर्भ शास्त्र विभाग के सभागार में सोमवार को 'ग्राउंडवाटर क्वालि मैनेजमेंट इन डेवलपिंग कंट्री' पर त दिवसीय सेमिनार का विधिवत उद्घा पीएचईडी मंत्री, केंद्रीय भूगर्भ जल ब के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एके अग्रवाल, कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह, प्रोवी प्रो. डॉली सिन्हा और भूगर्भशास्त्र विभाग अध्यक्ष प्रो. बीके मिश्रा ने संयुक्त रूप किया।

चिंता की बात

- दूषित पेयजल को लेकर 124 देशों की सूची में भारत 121वें स्थान पर
- स्वच्छ पेयजल मिले तो हर घर में सालाना होगी 50 हजार की बचत
- अस्पतालों के दो-तिहाई बेड जलजनित रोगों के कारण भरे रहते हैं
- 80 फीसद बीमारियों का कारण दूषित जल : प्रो. सिन्हा

पीयू शताब्दी वर्ष समारोह को ले आयोजित अंतराष्ट्रीय सेमिनार में पुस्तिका का विमोचन करते अतिथि

फ्लोराइड प्रभावित जिले : रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, गया, नवादा, नालंदा, मुंगेर, शेखपुरा, जमुई, बांका तथा भागलपुर।

आर्सेनिक प्रभावित : पटना, बक्सर, भोजपुर, वैशाली, सारण, समस्तीपुर, दरभंगा, भागलपुर, मुंगेर, लखीसराय, बेगूसराय, खगड़िया तथा कटिहार।

आयरन प्रभावित : बेगूसराय, खगड़िया, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, कटिहार, अररिया, पूर्णिया तथा किशनगंज।